सज्जन पुरुषों के सात गुण

– शिवचरण मंत्री

– सज्जन व्यक्ति क्रोध, झगड़ा आदि नहीं करता है वहीं वह अशिष्ट, अनर्गक अपशब्दों का प्रयोग नहीं करता। अपने विचार बड़े सोच–समझकर वशालीन शब्दों में व्यक्त करता है।

भारत आदिकाल से ही धार्मिक देश का रहा है। यहां के ऋषियों, संतो, तपस्वियों, तत्ववेताओं ने अपनी लेखनी, वाणी में मानव के सद्गुणो, दुर्गुणों का विस्तार से वर्णन किया है। सामाजिक दृष्टि से अच्छे गुण, आचरण वाले व्यक्ति को सज्जन कहा जाता है वही गुणहीन व्यक्ति को गुणहीन, दुर्जन कहा जाता है।

सज्जन सुद्गुणो में निम्न सात गुण होते हैं–

१ भाषा का प्रयोग : *सज्जन व्यक्ति की भाषा बड़ी सरल, स्पष्ट और शालीन होती है। सज्जन व्यक्ति जहां क्रोध, झगड़ा आदि नहीं करता है वहीं वह अशिष्ट, अनर्गल अपशब्दों का प्रयोग नहीं करता। अपने विचार बड़े सोच–समझ कर शालीन शब्दों में व्यक्त करता है। सद्पुरुषों का व्ययवहार बड़ा ही विवेकपूर्वक होता है।*

२ दृढ़ प्रतिज्ञ :– *सज्जन व्यक्ति अपने बात के धनी होते हैं। एक बार कही बात से वे कभी विचलित नहीं होता हैं। उनकी मानसिकता होती है प्राण जाये पर वचन न जाए। ऐसे व्यक्ति किसी भी प्रकार के भय, दबाव व संकट में नहीं घबराते हैं। आपत्तिकाल में भी सज्जन अपनी बात पर अडिग रहकर दूसरों की सहाफता करते हैं।*

३ चरित्रवान :– *सज्जन व्यक्ति बड़े चरित्रवान होते हैं। चरित्रवान होने का अभिप्राय: उज्जवल चरित्र के साथे अन्य मानवीय गुण यथा संवेदना, आपत्तिकाल में सहायता, सत्यता, निर्भीकता आदि मानवीय गुणों का प्रचुर मात्रा में होना आवश्यक होता है।*

४ सहायता की भावना :– *सज्जन व्यक्ति दूसरे के कष्ट, तकलीफ को अपना कष्ट तकलीफ मानकर व्यथित, दुखी व्यक्ति को हर संभव यथाशक्ति सहायता करने को तत्पर रहता है। सज्जन पुरुष बड़े करुणाशील होते हैं। ऐसे व्यक्ति दूसरे व्यक्तिका भला करके भूल जाने हैं। सज्जन व्यक्ति अपने द्वारा किये गये अच्छे कामों को अहंकार, अभिमान नहीं करते हैं।*

५ निंदा आलोचना से दूर :– *सामान्यत: व्यक्ति प्रत्यक्ष या परोक्षा रुप से अन्य लोगों की आलोचना करते रहना है। निंदा, अनर्गल स्तुति करना मानव का सहज स्वभाव होता है। पर सज्जन व्यक्ति इस प्रकार की निंदा, स्तुति, आलोचना से दूर रहते हैं, इनसे बचने को प्रयासरत रहते।*

६ सत्यवादी : *सज्जन व्यक्ति सत्यवादी होते हैं। परिस्थितिवश यदि सज्जन पुरुष कदाचित झूठ भी बोलते हैं तो वे इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनके झूठ बोलने से किसी को हानि न हो, किसी का अहित न हो। सज्जन कटु सत्य बोलकर कडुआ लगने का स्पष्टीकरण देने में विश्वास करते हैं।*

७ सरल सीधे : *सज्जन व्यक्ति बड़ा सरल और सीधा होता है। सज्जन व्यक्ति स्वार्थी नहीं होता है। सामान्यत: ऐसे व्यक्ति उस समय में संकट में पड़ जाते जब दूसरे के हित के कारण उनके साथ छल-कपट का व्यवहार किया जाता है।*

सज्जन अपनते सद्विचारों, गुणो के कारण स्वस्थ और दीर्घायु होता है। अपने सद्गुणों, सद्विचारों के कारण समाज, सगे संबंधियों, जान-पहचान वालों में ऐसे व्यक्तियों का बहुत आदर सम्मान किया जाता है। अत: स्वस्थ, दीर्घायु होने के लिए सज्जनता के गुण विकसित करने चाहिए।